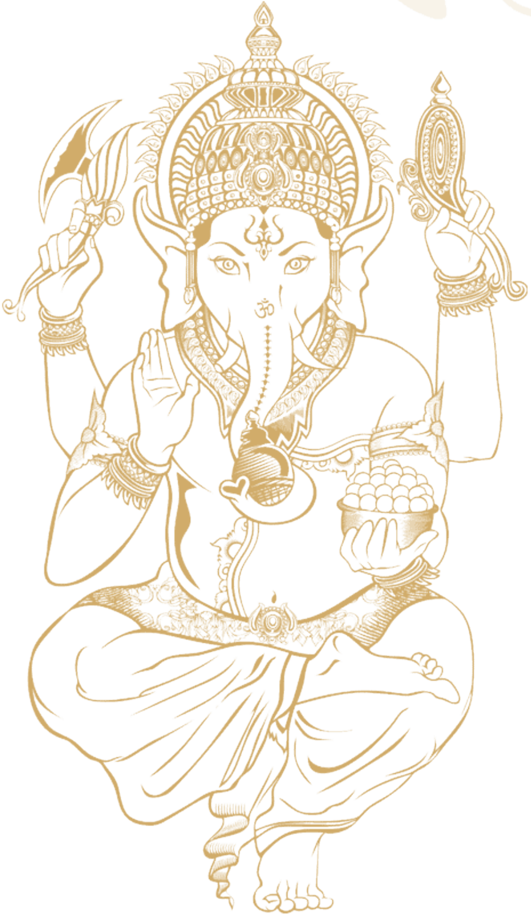

Ms.

23 Oct 2007

08:10 AM

Kot Kasim

Model: web-freekundliweb **Order No: 121786207**

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/10/2007**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	04:15:14 घटी
स्थान	**Kot Kasim**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	28:01:00 उत्तर
रेखांश	76:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:47:08 घंटे
वेलान्तर	00:15:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:51:42 घंटे
सूर्योदय	06:27:54 घंटे
सूर्यास्त	17:46:25 घंटे
दिनमान	11:18:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:20:40 तुला
लग्न के अंश	26:31:14 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ध्रुव
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:31:14	308:08:21	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			तुला	05:20:40	00:59:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			कुंभ	22:14:08	14:21:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	15:03:24	00:16:34	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	तुला	07:20:19	01:15:15	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			वृश्चि	23:56:37	00:11:05	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
शुक्र			सिंह	18:59:27	00:57:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि			सिंह	11:44:49	00:05:31	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	11:47:30	00:01:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	11:47:30	00:01:18	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	21:13:49	00:01:30	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:18:06	00:00:17	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	02:52:25	00:01:23	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:42:01	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:04

लग्न-चलित

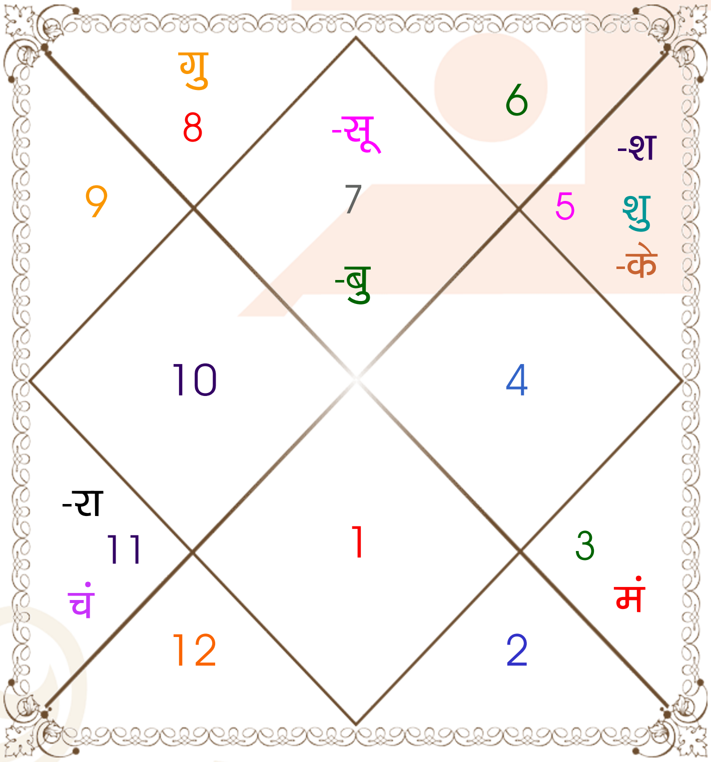

चन्द्र कुंडली

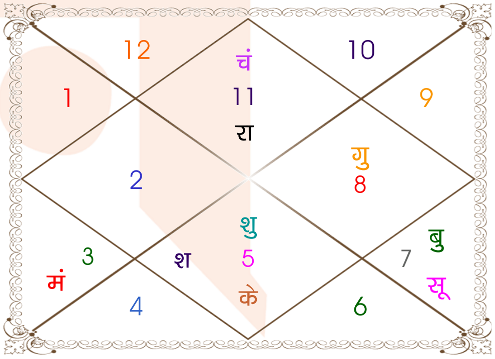

नवमांश कुंडली

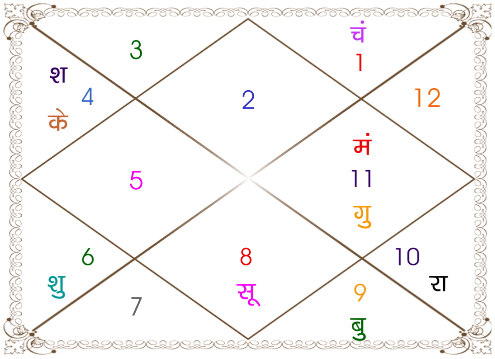

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 3 मास 24 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/10/2007		15/02/2021		16/02/2040		15/02/2057		16/02/2064	
15/02/2021		16/02/2040		15/02/2057		16/02/2064		16/02/2084	
	23/10/2007	शनि	19/02/2024	बुध	14/07/2042	केतु	14/07/2057	शुक्र	17/06/2067
शनि	16/10/2009	बुध	29/10/2026	केतु	12/07/2043	शुक्र	13/09/2058	सूर्य	16/06/2068
बुध	22/01/2012	केतु	08/12/2027	शुक्र	11/05/2046	सूर्य	19/01/2059	चंद्र	15/02/2070
केतु	28/12/2012	शुक्र	06/02/2031	सूर्य	18/03/2047	चंद्र	20/08/2059	मंगल	17/04/2071
शुक्र	29/08/2015	सूर्य	19/01/2032	चंद्र	16/08/2048	मंगल	16/01/2060	राहु	17/04/2074
सूर्य	16/06/2016	चंद्र	20/08/2033	मंगल	14/08/2049	राहु	03/02/2061	गुरु	16/12/2076
चंद्र	16/10/2017	मंगल	28/09/2034	राहु	02/03/2052	गुरु	10/01/2062	शनि	16/02/2080
मंगल	22/09/2018	राहु	04/08/2037	गुरु	08/06/2054	शनि	19/02/2063	बुध	17/12/2082
राहु	15/02/2021	गुरु	16/02/2040	शनि	15/02/2057	बुध	16/02/2064	केतु	16/02/2084

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
16/02/2084		15/02/2090		16/02/2100		16/02/2107		16/02/2125	
15/02/2090		16/02/2100		16/02/2107		16/02/2125		00/00/0000	
सूर्य	04/06/2084	चंद्र	17/12/2090	मंगल	15/07/2100	राहु	30/10/2109	गुरु	06/04/2127
चंद्र	04/12/2084	मंगल	18/07/2091	राहु	02/08/2101	गुरु	24/03/2112	शनि	24/10/2127
मंगल	11/04/2085	राहु	16/01/2093	गुरु	09/07/2102	शनि	29/01/2115		00/00/0000
राहु	05/03/2086	गुरु	18/05/2094	शनि	18/08/2103	बुध	18/08/2117		00/00/0000
गुरु	23/12/2086	शनि	17/12/2095	बुध	14/08/2104	केतु	05/09/2118		00/00/0000
शनि	05/12/2087	बुध	17/05/2097	केतु	10/01/2105	शुक्र	05/09/2121		00/00/0000
बुध	10/10/2088	केतु	16/12/2097	शुक्र	13/03/2106	सूर्य	31/07/2122		00/00/0000
केतु	15/02/2089	शुक्र	17/08/2099	सूर्य	18/07/2106	चंद्र	29/01/2124		00/00/0000
शुक्र	15/02/2090	सूर्य	16/02/2100	चंद्र	16/02/2107	मंगल	16/02/2125		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 3 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशवाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरुद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुनर्निर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।